

राजस्थान ने ऊर्जा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिये समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये चर्चा में क्यों ?

हाल ही में राजस्थान सरकार ने ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने, ऊर्जा पारेषण प्रणाली को मज़बूत करने और राज्य में थर्मल एवं नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन के लिये नई परियोजनाएँ स्थापित करने हेतु 1.60 लाख करोड़ रुपए के 5 समझौता ज्ञापनों (MOU) पर हस्ताक्षर किये ।

मुख्य बटु:

- आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, ऊर्जा क्षेत्र के विकास के लिये 1.60 लाख करोड़ रुपए के नविश हेतु राज्य के 3 वदियुत नगिमों और 6 केंद्रीय उपकरणों के शीर्ष अधिकारियों के बीच 6 MOU पर हस्ताक्षर किये गए हैं, जसिमें वदियुत उत्पादन की वभिन्न परियोजनाएँ शामिल हैं ।
- इन समझौतों के तहत:
 - 3325 मेगावाट क्षमता की थर्मल आधारित परियोजनाओं के लिये राजस्थान वदियुत उत्पादन नगिम लिमिटेड के साथ कोल इंडिया लिमिटेड, नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन और नेवेली लिगिनाइट कॉरपोरेशन इंडिया के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये जाएँगे ।
 - प्रदेश में वदियुत ट्रांसमिशन सिस्टम को मज़बूत करने के लिये राजस्थान वदियुत ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन के बीच 10 हजार करोड़ रुपए के नविश का समझौता होगा ।
 - 600 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजनाओं के माध्यम से वदियुत की आपूर्ति के लिये राजस्थान ऊर्जा विकास नगिम और SJVN ग्रीन एनर्जी के बीच एक वदियुत खरीद समझौते (PPA) पर भी हस्ताक्षर किये जाएँगे ।
 - बुनयिादी ढाँचा क्षेत्र के विकास के लिये ग्रामीण वदियुतीकरण नगिम और राज्य सरकार के बीच एक MOU होगा ।